केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 177 बुधवार 17 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दूकान के सामने जानवर मिले तो होगी कार्रवाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । होटल, ढाबा, सब्जी मंडी या सब्जी की दुकानों के सामने जानवर पाए जाने पर मालिकों को नोटिस जारी करने के लिए जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित विशेष गो संरक्षण अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि खुले में खाने का सामान फेंकने से जानवर वहां पर एकत्र होते हैं। इसके लिए सभी होटल, ढाबा, सब्जी की दुकान वालों को चेतावनी दी जाती है कि उनके विरुद्ध नोटिस जारी करके जुर्माना लगाया जाएगा तथा सुधार न होने पर एफआईआर भी कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि गोशालाओं के सभी नोडल अधिकारी प्रत्येक पखवाड़े गौशालाओं का निरीक्षण करेंगे तथा अपनी रिपोर्ट पशुपालन विभाग को उपलब्ध कराएंगे।

उन्होंने पशुपालन विभाग से कहा है कि शास्त्री चौक से रोडवेज तक तथा फौब्वारा चौराहा से मालवीय रोड होते हुए स्टेशन रोड की तरफ अभी भी जानवर पाए जा रहे हैं। विशेष अभियान के अंतर्गत सभी जानवरों को पकड़कर गौशालाओं में संरक्षित करें।

जनपद में संचालित गो संरक्षण केंद्रों का सत्यापन करने वाले नोडल अधिकारियों से जिलाधिकारी ने गौशालाओं में संरक्षित पशुओं की संख्या, टैगिंग, भूसा व्यवस्था, ठंड से बचाव की स्थिति, तथा हरे चारे की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्राप्त किया। नोडल अधिकारियों द्वारा बताया गया की कही–कही गो सेवकों का दो माह से भुगतान नहीं हुआ है। इस संबंध में उन्होंने डीपीआरओ को निर्देशित किया कि राज्य वित्त आयोग तथा मनरेगा के अंतर्गत पर्याप्त धन ग्राम पंचायत में उपलब्ध है। गोसेवकों का भुगतान किसी भी दशा में रुकना नहीं चाहिए।

मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. अमर सिंह ने बताया कि पिछले माह में नगर पालिका बस्ती में 200 पशुओं को पकड़कर गो संरक्षण केद्रो में रखा गया है। बैठक में सीडीओ जयदेव सीएस, जॉइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, पीडी राजेश झा, उपायुक्त मनरेगा संजय शर्मा, उपायुक्त स्वत रोजगार श्रीमती आशा देवी, उपनिदेशक कृषि अशोक गौतम, नोडल अधिकारी गण, खंड विकास अधिकारी तथा पशु चिकित्सा अधिकारी गण उपस्थित रहे।

कप्तानगंज में अब शनिवार को बंदी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला मजिस्ट्रेट अंद्रा वामसी ने वर्ष 2024 के लिए नगरीय क्षेत्र कप्तानगंज में स्थित समस्त दुकानों एवं वाणिज्य अधिष्ठानों की साप्ताहिक बन्दी दिवस रविवार के स्थान पर शनिवार कर दिया है। उन्होने बताया कि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन कप्तानगंज के अनुरोध पर सम्यक विचारोपरान्त साप्ताहिक बन्दी शनिवार निश्चित किया गया है।

निवेश की हुई समीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उ०प्र०ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 में 285 निवेशको द्वारा कुल रू0 14230.80 करोड़ का एम०ओ०यू० हस्ताक्षरित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप ने बताया कि एम०ओ०यू० के धरातल पर उतरने पर 19370 व्यक्तियों के प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होने बताया कि विभिन्न सेक्टरों में किये गये निवेश की सम्बन्धित विभागों से जिलाधिकारी द्वारा निरन्तर समीक्षा की जा रही है।

कलेक्ट्रेट सभागार में निवेशकों की विभिन्न बैंको से सम्बन्धित समस्याओं पर समीक्षा की गयी। लगभग 105 इकाईयों 6 माह के अन्दर उत्पादन के स्तर को प्राप्त कर लेंगी। निवेशको को औद्योगिक इकाईयों की स्थापना में आने वाली कठिनाईयों का त्वरित निस्तारण कराया जा रहा है।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के लिए अनुष्ठान शुरू

संवाददाता– अयोध्या। भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अनुष्ठान प्रारंभ हो गया है। अनुष्ठान का आयोजन नगर के विवेक सृष्टि आश्रम में किया जा रहा है। इसके लिए सरयू में स्नान के बाद काशी के विद्वान पूजन सामग्री के साथ अनुष्टान स्थल पर पहुंचे और पूजा विधि शुरू कर दी। कार्यक्रम के मुख्य यजमान डॉ. अनिल मिश्रा और प्रतिमा बनाने वाले अरुण योगीराज भी वहां मौजूद रहे। प्रायश्चित और कर्म कुटी पूजन हुआ।

अनुष्ठान का कार्यक्रम 21 जनवरी तक चलेगा। रामलला की प्रतिमा 18 जनवरी को गर्भगृह में निर्धारित आसन पर स्थापित कर दी जाएगी। पिछले 70 वर्षों से पूजित वर्तमान प्रतिमा को भी नए मंदिर के गर्भगृह में ही रखा जाएगा। जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा समारोह का पूरा ब्योरा सार्वजनिक किया था।

22 जनवरी को न्यूनतम विधियों की जरूरत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में दिन के 12.20 बजे प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य अनुष्ठान आरंभ होगा। यह पूजा करीब 40 मिनट तक चलेगी। इसके बाद करीब 75 मिनट पीएम मोदी, सीएम योगी, संघ प्रमुख मोहन भागवत संदेश देंगे। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास आशीर्वाद देंगे।

3 लाख से अधिक परिवारों तक पहुंचा प्राण प्रतिष्ठा समारोह का पूजित अक्षत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रामभक्तों और श्रद्धालुओं को निमंत्रण देने का अभियान निरन्तर जारी है। विभाग प्रचारक अजय नारायण ने बताया कि तीन लाख से अधिक परिवारों में पूजित अक्षत पहुंच चुका है।

जनपद के शहर व ग्रामीण इलाकों में पूजित अक्षत वितरण अभियान कार्यक्रम के तहत घर–घर अक्षत, रामलला के विग्रह का चित्र व आमंत्रण पत्र देकर 22 जनवरी को आनंदोत्सव मनाने का आग्रह किया जा रहा है। बहादुरपुर विकास खण्ड क्षेत्र के पिपरौला, पकड़ी, खाइनारा,बस्ती सदर के गोटवा , कूरी मरवटिया आदि गांवों में पूजित अक्षत का वितरण किया गया।

विभाग कार्यवाह आशीष, सह जिला कार्यवाह नीरज , वृजेश, निखिल, अखिल, भाजपा नेता सिद्धार्थ शंकर मिश्र, आदि ने जयघोष के साथ पूजित अक्षत वितरित कर 22 जनवरी को आन्दोसव मनाने का आग्रह किया।

अक्षत वितरण अभियान में बांटे जा रहे आमंत्रण पत्रक के माध्यम से भक्तों को अवगत करा रहे हैं। पत्रक के पिछले हिस्से में मंदिर के स्वरूप व इसकी विशेषताओं की जानकारी दी गई है। पत्रक में बताया गया है कि 32 सीढ़ियां चढ़कर भक्तों को रामलला के दर्शन प्राप्त होंगे। मंदिर में बनने वाले अन्य प्रकल्पों, मंदिर की भी जानकारी दी गई है। कार्यकर्ता लोगों से 22 जनवरी को पूजा, कीर्तन करने व शाम को भव्य दीपावली मनाने का आग्रह कर रहे हैं।

नेहरू युवा केन्द्र के 25 युवाओं को दिया यातायात जागरूकता का प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक यातायात कामेश्वर सिंह ने नेहरू युवा केन्द्र के 25 युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति प्रशिक्षित किया। कहा कि वे लोगों को सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी दें। इससे दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। उन्होने युवाओं को यातायात के नियम कानूनों की विस्तार से जानकारी देते हुये कहा कि वे इस दिशा में सहयोग करें।

प्रशिक्षण शिविर में कामेश्वर सिंह ने नेहरू युवा केन्द्र के 25 युवाओं को बताया कि चालकों को निर्धारित गति सीमा से अधिक वाहन न चलाने, दो पहिया वाहन चालक बिना हेलमेट के वाहन न चलाये, चार पहिया वाहन चालक बिना सीटबेल्ट लगाये वाहन न चलाये, कामर्शियल वाहन चालक कोहरे को देखते हुए अपनी वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप एवं फाग लाइट अवश्य लगाये। उन्होने युवाओं को नियमों, कानूनों की विस्तार से व्यवहारिक जानकारी दी। यह जानकारी देते हुये नेहरू युवा केन्द्र के ओम प्रकाश मिश्र ने बताया कि युवाओं को 7 दिवसीय प्रशिक्षण देकर उन्हें सड़क सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई जिससे वे इस दिशा में सहयोग कर सकें। प्रशिक्षण शिविर में शुभम पंत, डी.पी. यादव, अरूण कुमार, मनोरमा चौधरी, पवन पाण्डेय, राम शुभग, पवन कुमार, महिमा भट्ट, अर्जुन, प्रतिभा भाष्कर, आरिफ, प्रीती चौधरी आदि ने हिस्सा लिया।

पीएमजेकेवाई युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बने अभय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी योजना जागरूकता अभियान के राष्ट्रीय महासचिव राहुल प्रताप सिंह ने अभय प्रताप सिंह को संगठन का प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा मनोनीत किया है। अभय प्रताप सिंह से अपेक्षा किया गया है कि वे संगठन के दिशा निर्देश के अनुरूप नागरिकों की सेवा में योगदान करेंगे।

पीएमजेकेवाई युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने पर अभय प्रताप सिंह ने कहा है कि संगठन ने उन्हें जो दायित्व दिया है उस दिशा में वे हर संभव निष्ठा के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। उनके मनोनयन पर मुकेश पाठक, विक्रांत प्रताप सिंह, दीपक पटेल, प्रशांत गुप्ता, मनीष कुमार आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

अयोध्या धाम में कांग्रेस नेताओं के साथ अभद्रता दुर्भाग्यपूर्ण– नोमान अहमद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कांग्रेस महासचिव एवं उ.प्र. के प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, प्रभारी संगठन अनिल यादव, पूर्वांचल प्रभारी सत्यनरायन पटेल के अयोध्या धाम यात्रा का व्यापक प्रभाव पडेगा। यह विचार कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश सचिव नोमान अहमद ने सोमवार की देर शाम पार्टी नेताओं का बडेबन के निकट फूल मालाओं के साथ स्वागत करने के बाद व्यक्त किया।

कांग्रेस नेता नोमान अहमद ने मंगलवार को प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम सबके हैं किन्तु जिस प्रकार से अयोध्या धाम में कांग्रेस नेताओं का विरोध कर कांग्रेस पार्टी का झण्डा छीन लिया गया, कांग्रेस नेताओं को अपमानित करने का कुचक्र रचा गया यह दुर्भाग्यपूर्ण है। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम सबके हैं और उन्हें किसी एक राजनीतिक दल की सीमा में बांधना दुर्भाग्यपूर्ण है। देश और पूर्वान्चल की जनता इस कृत्य को क्षमा नहीं करेगी।

कांग्रेस महासचिव एवं उ. प्र. के प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ ही उनके साथ गोरखपुर जा रहे कांग्रेस नेताओं का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से बबीता शुक्ला, गिरजेश पाल, साधूशरन आर्य, अरूण पाण्डेय, उदयराम यादव, सलाहुद्दीन, मो. वहीद, अताउल्ला, अनिल त्रिपाठी, राकेश पाण्डेय, मनीष श्रीवास्तव, राकेशमणि त्रिपाठी, आशीष, भरत कुमार, सुल्तान अहमद, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सुधीर यादव, सोनम सैनी, सोनल सैनी, फरमान अहमद के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

सामूहिक विवाह में एक दूजे के हुये 797 जोड़े

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शासन के अति महत्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में जनपद में जी.आई.सी. इण्टर कालेज के प्रांगण में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत शादी सम्पन्न करायी गयी। सामूहिक विवाह अंतर्गत 10 विकास खण्डों के कुल 797 जोड़ो का सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ।

कुल 797 नव दाम्पत्य जोड़ों को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह की इस पुनीत और पावन बेला पर नव दाम्पत्य को आशीर्वाद एवं शुभकामना देते हुए उत्तरोत्तर वृद्धि करने की कामना किया गया। सामूहिक विवाह की पावन बेला पर जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने नव युगल को पवित्र गठबंधन के दाम्पत्य सूत्र के आत्मीय संबंधों के साथ गृहस्थ आश्रम में प्रवेश कर जन्म जन्मांतर के पारिवारिक एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के कर्तव्य निर्वहन हेतु जीवन की नई पारी पर वर–वधू को आशीर्वाद एवं शुभकामना दिया। जिलाधिकारी ने कहा

कि सामूहिक विवाह योजना द्वारा शादी पर होने वाले अपव्यय पर रोक लगती है, जिससे गरीब आदमी भी अपनी बहन, बेटी–बेटा की शादी खुशहाली के साथ संपन्न कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि शुभ विवाह, पाणिग्रहण संस्कार जीवन का एक पवित्र गठबंधन है, जिसमें पति–पत्नी एक दूसरे के साथ समर्पित जीवन जीते हुए समाज एवं देश में अपना योगदान देते हैं।

यह सामूहिक विवाह समाज की समरसता एवं समरूपता का प्रतिफल है। जिलाध्यक्ष विवेकानन्द ने सामूहिक विवाह योजना द्वारा एकता और अखंडता को मजबूत किए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी जातियों के लोग एक मंडप में सबके साथ समानता का व्यवहार करते व सामाजिक रीति रिवाजों, परंपराओं से दाम्पत्य सूत्र में बंधते है। इससे सर्वधर्म समाज और सामाजिक संस्कृति पर बल मिलता है। उन्होंने सात फेरों के सात वचनों पर बल देते हुए पति पत्नी को सामंजस्यपूर्ण जीवन जीते हुए प्रगति पथ पर आगे बढ़ने की शुभकामना दिया।जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत शासन द्वारा एक जोड़े शादी पर रू0 51000/– व्यय करने की व्यवस्था की गयी है, जिसमें कन्या के दाम्पत्य जीवन में खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना हेतु सहायता राशि रू0 35000/– मात्र कन्या के बैंक खाते में अन्तरित की जायेगी, रू0 10000/– का उपहार दिया जायेगा तथा रू0 6000/–का शादी में व्यय किया जायेगा।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका मानवी सिंह ने किया। कार्यक्रम में सीडीओ जयदेव सीएस, विधायक प्रतिनिधि हर्रैया सरोज मिश्र, कप्तानगंज के गुलाब चन्द्र सोनकर, महादेवा के फूलचन्द्र श्रीवास्तव, 'एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह' ब्लाक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव, यशकान्त सिंह, अनिल दुबे, उपाध्यक्ष भानु मिश्रा, जगदीश शुक्ला जिला समाज कल्याण अधिकारी विकास लालजी यादव सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले पूर्वांचल में हाई अलर्ट

संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां उच्च स्तरीय अतिरिक्त सतर्कता बरत रही हैं। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) के रडार पर वाराणसी सहित पूर्वांचल के 10 जिलों के 115 से ज्यादा लोग हैं। ये सभी वे लोग हैं, जो पहले प्रतिबंधित संगठन सिमी से जुड़े थे और बाद में उनका झुकाव पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की ओर हो गया। ऐसे लोगों, उनके करीबियों और शरणदाताओं का भौतिक सत्यापन कराया गया है। हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसके दो दिन बाद 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस है। चार दिन बाद गणतंत्र दिवस है। इसके मद्देनजर प्रदेश सरकार शांति और कानून व्यवस्था को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है। एटीएस और एसटीएफ के अफसरों से कहा गया है कि वाराणसी सहित पूर्वांचल के 10 जिलों में अतिरिक्त सतर्कता बरतें। जो भी लोग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े रहे हैं या जिनके नाम पहले दंगे और सांप्रदायिक घटनाओं में सामने आए हैं, उनकी निगरानी की जाए। ऐसे लोगों के शरणदाताओं, जमानतदार या मददगार रहे हैं, उनका सत्यापन कराया जाए। इसी वजह से गोपनीय तरीके से स्थानीय पुलिस और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट के स्तर से ऐसे लोगों का सत्यापन कर उनकी मौजूदा स्थिति की रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।

बैलेट पेपर से चुनाव की मांग को लेकर भारत मुक्ति मोर्चा ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में मोर्चा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी माध्यम से राष्ट्रपति को 19 सूत्रीय ज्ञापन भेजा। मांग किया कि चुनाव प्रक्रिया में व्यापक सुधार कर ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव कराया जाय। जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा और 31 जनवरी को मांगों के समर्थन में दिल्ली स्थित चुनाव आयोग का घेराव कर प्रदर्शन किया जायेगा। कडाके की ठंड में भारत मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ता, पदाधिकारी कटेश्वर पार्क स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद पद यात्रा करते हुये जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। वे मांगों के समर्थन में नारे लगा रहे थे।

मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि दुनियां के विकसित देशों में भी ईवीएम से चुनाव नहीं होते तो आखिर भारत में क्यों। 'ईवीएम हटाओ, बैलेट पेपर लाओ और लोकतंत्र बचाओ अभियान के अंतर्गत देश के जिलों के मुख्यालयों पर भारत मुक्ति मोर्चा के द्वारा भारत का लोकतंत्र बचाने के लिए ईवीएम के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन चलाया जा रहा है। जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती आन्दोलन जारी रहेगा। कहा कि ईवीएम मशीन के उपर से जनता का विश्वास खत्म होता जा रहा है। मशीन में वोटर्स के वोटों का सत्यापन करने का प्राविधान ना होने की वजह से, पारदर्शिता ना होने के कारण नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने के साथ साथ लोकतंत्र पर भी खतरा मड़रा रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से राम सुमेर यादव, चन्द्रिका प्रसाद, प्रेम कुमार ठाकुर, बुद्धेश राना, सुग्रीव चौधरी, बबिता भारती, राम दुलारे गौतम, मेहीलाल, सीताराम भारती, पारसनाथ, तिलकराम गौतम, अशोक कुमार, रामलैश, अनीता देवी, निर्मला, रामतीरथ, सुनील कन्नौजिया, नन्दलाल आदि शामिल रहे।

मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम पर केन्द्रित प्रश्नोत्तरी, चित्रकला प्रतियोगिता में छात्रों ने दिये संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–श्रीराम के जन्म का कारक है मखौडा धाम–आशिमा सिंह

बस्ती । पूर्व विधायक राजा लक्ष्मेश्वर सिंह स्मृति सप्ताह की कडी में मंगलवार को श्री अयोध्या धाम में आगामी 22 जनवरी को श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त राजा लक्ष्मेश्वर सिंह स्कूल परिसर में श्री राम के जीवन पर आधारित चित्रकला और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मण्डलायुक्त की पत्नी श्रीमती निशा और जिलाधिकारी की पत्नी श्रीमती वर्षा रही । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये राजमाता आशिमा सिंह ने कहा कि श्रीराम जन्म का निमित्त तो बस्ती का मखौड़ा धाम ही है। कहा कि श्रीराम ने ज्ञान, सम्पत्ति, न्याय, परिवार की मर्यादा का पालन कर समूचे सृष्टि में उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके जीवन से प्रत्येक युग प्रेरणा लेगा। वे रोम–रोम में बसे है।

कार्यक्रम का शुभारंभ सियाराम के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ श्री राम के मन भावन स्तुति को स्कूल के बच्चो के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त सीआईएस स्कूल के द्वारा राम के चरित्र पर नृत्य नाटिका राज्यभिषेक प्रस्तुत किया गया जिसे लोगों ने खूब सराहा।

राजा ऐश्वर्यराज सिंह ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के कुल 175 विद्यार्थियों ने भाग लिया साथ ही प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में पंद्रह विद्यालयों ने हिस्सा लिया। इसमें प्रथम स्थान सीआईएस स्कूल ,द्वितीय उर्मिला एजुकेशन और तृतीय स्थान पर जागरण पब्लिक स्कूल रहा।

विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रीता खंडेलवाल ने बताया कि 22 जनवरी को राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में विजयी छात्रों को पुरस्कार तथा सभी भाग लेने वाले बच्चो को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। चित्रकला का आयोजन रोटरी क्लब बस्ती मिडटाउन के द्वारा तथा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन संस्कार भारती द्वारा आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनन्या सिंह पुष्प लता मिश्रा, डॉ. रमा शर्मा लता सिंह महिमा सप्रा, शौरभ सिंह श्रीनेत,जितेन्द्र शाही, अजय सिंह, अतुल सिंह, राधेश्याम चौधरी, ओम प्रकाश चौधरी, सीमा श्रीवास्तव, आरती मिश्रा, पूजा ओझा, आलोक ओझा श्रद्धा तुलसी, मधु दूबे, ऋतु गुप्ता पूर्णिमा तिवारी ,मयंक श्रीवास्तव, सतीश सिंघल ,सरिता शुक्ला विनय गुप्ता, राजेश सिंह, राजेश मिश्रा प्रदीप कुमार पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद अध्यक्ष बने सुभाष त्रिपाठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।भारत विकास परिषद के मनवर शाखा हरैया की बैठक हरैया कस्बे के गजाधर सिंह अंगद सिंह इंटर कॉलेज के प्रांगण में मंगलवार को कर्नल के सी मिश्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से अवधेश कुमार त्रिपाठी को संरक्षक, सुभाष चन्द्र त्रिपाठी को अध्यक्ष, संतोष कुमार शुक्ल को सचिव, विवेक कान्त पाण्डेय को संगठन सचिव, रवीश कुमार मिश्र को वित्त सचिव, प्रेम शंकर ओझा को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष सुभाष चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि भारत विकास परिषद की ओर से जो अहम जिम्मेदारी दी गई है उसे पूरी लगन तथा मेहनत से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद की ओर से समाज की सेवा के लिए जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं उनको आगे बढ़ाया जाएगा। वशिष्ठ शाखा बस्ती के अध्यक्ष कैलाश नाथ दूबे और संरक्षक कर्नल के सी मिश्र ने कहा कि भारत विकास परिषद नई पीढ़ी में सेवा संस्कार की भावना विकसित हो, देश में भारतीय संस्कृति को संवर्धन प्रदान करने के उद्देश्य से अनेक कार्यक्रम करती है। भारत विकास परिषद का मुख्य उद्देश्य समाज में प्रबुद्ध, संभ्रांत तथा बुद्धिजीवी वर्ग को संगठित करके उन्हें देश की निर्धन, दिव्यांग एवं निरक्षर वर्ग की सेवा करने के लिए प्रेरित करता है। भारत विकास परिषद राष्ट्रीय दृष्टिकोण को प्रखर बनाने में अपनी विशिष्ट भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

इस दौरान वशिष्ठ शाखा बस्ती के सचिव पंकज त्रिपाठी, वित्त सचिव अनुराग शुक्ल, अनिल कुमार पाण्डेय, डॉ रोहन दूबे, सुशील मिश्र आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 जनवरी 2024 बुधवार

सम्पादकीय

स्मृतियों में मुन्नवर राणा

मशहूर शायर मुनव्वर राणा अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे। उनके शे'र, उनकी नज्में, उनकी मासूम–सी मुस्कुराहट के पीछे छिपे शहद वाले तंज सबको अपना बनाते थे। सहमति–असहमति के दौर में उन्हें कुछ लोगों ने बुरा समझा। उर्दू जुबान का अपने दौर का सबसे बड़ा शायर अब यादों में, बातों में, महफिलों में और किस्सों में रहेगा। लखनऊ में मुनव्वर राणा की रूह बाकी है जो सदा यहीं रहेगी। सबको अकेला छोड़कर उर्दू साहित्य का विशाल वटवृक्ष रविवार की सर्द शाम को नवाबों के शहर लखनऊ में ढह गया। छब्बीस नवंबर, 1952 को उत्तर प्रदेश के जिले रायबरेली में जन्मे मशहूर शायर 'मुनव्वर राणा' ने एक अस्पताल में अंतिम सांस लेकर नश्वर दुनिया को अलविदा कह दिया। खुदा ने उनके निधन की वजह दिल के दौरे के रूप में मुकर्रर की। जबकि थे कैंसर से पीड़ित। उनके न रहने की खबर पर बड़ी–बड़ी हस्तियों ने दुख जताया। मुनव्वर के निधन से न सिर्फ उर्दू–साहित्य को नुकसान होगा, बल्कि अवधी–हिंदी भाषा को भी गहरा धक्का लगेगा। विश्व पटल पर उन्हें अवधी का खूब प्रचार–प्रसार किया। उर्दू शायरी में नया प्रयोग करके उन्होंने देशी भाषाओं को अपनी जुबान बनाई थी।

राणा की कही प्रत्येक शायरी–कविता में ऐसी तल्खियां होती थीं, जो सियासतदानों को हमेशा नागवार गुजरी। उनकी प्रस्तुति में झलकता अलहदापन सुनने वालों को अपनी ओर खींचता था। मुनव्वर राणा का जन्म बेशक उत्तर प्रदेश में हुआ, लेकिन ज्यादा वक्त उन्होंने कोलकाता में ही बिताया। बचपन में वह बेहद शरारती रहे। वह शुरू से ही हट्टे–कट्टे थे। पहलवानी का भी शौक था लेकिन बाद में त्याग दिया। राणा का इंतजार 'पहलवानी का अखाड़ा' नहीं, बल्कि 'साहित्य जगत' कर रहा था। कविताओं ने ही उनको 'मुनव्वर राणा' के साथ स्थापित किया। ये नाम उर्दू–साहित्य में सदैव अदब–सम्मान से लिया जाता रहेगा। साहित्य के अलावा अन्य सामाजिक मसलों पर उनकी बेबाक टिप्पणियां भी जगजाहिर रहीं। शायरी में मुनव्वर को सबसे ज्यादा शोहरत 'मां' के स्नेह और रिश्तों पर उकेरी कविताओं से ही मिली। मां की ममता को दर्शाने वाली कविता की एक लाइन हमेशा सभी के दिलों में जिंदा रहेंगी। '३किसी को घर मिला हिस्से में या कोई दुकां आई, मैं घर में सबसे छोटा था मेरे हिस्से में मां आई३।' इन लाइनों में भावुकता और मार्मिकता का ऐसा संगम समाहित है जिसे सुनकर संवेदनाएं उमड़ती हैं। शायरी के लिए सजने वाली कोई ऐसी महफिल नहीं होती थी जिसे वह अपनी शायरी से न लूटते हों? महफिलों के अनगिनत किस्से उनसे जुड़े हुए हैं।

हैदराबाद के एक मुशायरे में अपने कलाम के बारे में एक दफे कहा था कि 'वह गजल को कोठे से उठाकर मां तक ले आए हैं'। वह एक ऐसा संदेश था जिसने सीधे राजनीति पर प्रहार किया था। वहीं, दुबई में एक मुशायरे में जब उन्होंने एक मां पर लिखी शायरी की एक लाइन पढ़ी, तो वहां बैठे दूतावास के एक बड़े अधिकारी बिलख–बिलख कर रोने लगे। वहीं राणा बेबाक राजनीतिक बयानबाजी को लेकर बीते कुछ वर्षों से ज्यादा चर्चाओं में थे। इसके अलावा उन्हें वर्ष 2014 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया था जिसे बाद में उन्होंने लौटा दिया था। तब से वह कुछ ज्यादा ही सियासतदानों के निशाने पर आ गए। दरअसल, उनकी बयानबाजियां ही उन्हें हमेशा परेशान करती रहीं। गले के कैंसर से पीड़ित 71 वर्षीय इस शायर का विवादों से कभी नाता छूटा ही नहीं? हालांकि, उनके विवाद इसलिए कमतर आंके जाते हैं क्योंकि उन्होंने उर्दू साहित्य विधा पर अमिट छाप छोड़ी। उनके जाने से उर्दू–साहित्य को निःसंदेह बड़ी क्षति होगी।

मुनव्वर की बड़ी खासियत थी कि वह उर्दू के बड़े शायर होते हुए भी अपने शेरों में अवधी और हिंदी जमकर प्रयोग करते थे। इसी वजह से उनकी लोकप्रियता और तेजी से बढ़ी। उम्दा शैली का ऐसा शायर शायद ही अब कभी संसार को नसीब हो। उन्हें सिर्फ भारतीय श्रोता ही पसंद नहीं करते थे, समूचा संसार उनकी कविताओं को सुनने के लिए बेताब रहता था। 'हम नहीं थे, तो क्या कमी थी यहां। हम न होंगे तो क्या कमी होगी।' शायर मुनव्वर राणा का ये शे'र उनके इंतकाल पर याद किया जा रहा है।

कांग्रेस की न्याय यात्रा के राजनीतिक निहितार्थ

—राजेश माहेश्वरी—

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बीती 14 तारीख को भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू कर दी है। यह राहुल गांधी की दूसरी यात्रा है। इससे पहले राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो' यात्रा ठीक एक साल पहले खघ्त्म हुई थी। इसके तहत उन्होंने तमिलनाडु में कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक की यात्रा की थी। कांग्रेस इसे सामाजिक, धार्मिक न्याय और 'अराजनीतिक' यात्रा करार दे रहे हैं। कांग्रेसी 'न्याय' और 'सहो मत, डरो मत' के नारे लगा रहे हैं। 'न्याय यात्रा' देश के 15 राज्यों और 110 जिलों से गुजरेगी। 66 दिन की यात्रा के बाद 20 मार्च को मुंबई में इसका समापन होगा। तब तक आम चुनाव की तारीखें घोषित हो चुकी होंगी!

राहुल गांधी की भारत जोड़ों न्याय यात्रा को लेकर कई सवाल खड़े होते हैं। सवाल यह है कि राहुल गांधी आखिरकार किस 'न्याय' की बात कर रहे हैं? और किसको न्याय दिलाने के लिए वो यात्रा कर रहे हैं? लोकतंत्र में न्याय की अपेक्षा सरकार और न्यायपालिका से की जाती है। कोई ऐसी वारदात या सामाजिक दमन भारत में नहीं हुआ है, जिसके लिए 'न्याय' की गुहार या उद्घोष किया जाए। या फिर हजारों किलोमीटर की लंबी यात्रा निकालने को विवश होना पड़ा। इस यात्रा से पहले राहुल गांधी ने भारत जोड़ों यात्रा निकाली थी। एकजुट देश राहुल गांधी को टूटा हुआ क्यों दिखाई देता है, ये भी बड़ा सवाल है। अपवाद हो सकते हैं, समस्याएं हो सकती हैं। कांग्रेस ने देश पर करीब 55 साल शासन किया है। ऐसे कौन से सामाजिक और धार्मिक अन्याय शेष रह गए हैं, जिन पर 'न्याय' का दावा किया जा रहा है? इस देश पर सर्वाधिक समय तक शासन कांग्रेस पार्टी ने किया है। ऐसे में सवाल यह है कि अगर आजादी के इतने लंबे समय बाद भी अगर देष में समस्याएं और परेशानियां हैं तो उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी उसी दल की होनी चाहिए, जिसने लंबे समय तक देश पर शासन किया।

कांग्रेस की तरफ से दावा किया जा रहा है कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' राजनीतिक या चुनावी यात्रा नहीं है। वास्तव में कांग्रेसजन जिस यात्रा को भारत जोड़ो न्याय यात्रा बता रहे हैं वो एक राजनीतिक यात्रा है। जिसका मकसद कांग्रेस को सत्ता में लाना है। पूर्वोत्तर भारत का मणिपुर राज्य पिछले कुछ समय से अशांत है। ऐसे में मणिपुर से यात्रा की शुरुआत कर कांग्रेस ने सिद्ध किया कि यात्रा किसी को न्याय दिलाने के लिए नहीं बल्कि राजनीति के लिए ही है।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को कामयाब बनाने के लिए कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी। दिल्ली से इंडिगो की एक पूरी फ्लाइट बुक करके करीब 200 नेता एक साथ मणिपुर पहुंचे। इनमें कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य, महासचिव, प्रवक्ता, तीन राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ–साथ सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल के नेता शामिल थे। अपने तमाम नेताओं को मणिपुर में एक मंच पर बैठकर कांग्रेस ने यहां के स्थानीय लोगों को यह संदेश देने की कोशिश की है कि पूरी कांग्रेस दुख की घड़ी में उनके साथ है। रैली के मंच से कांग्रेस के लगभग हर नेता ने प्रधानमंत्री के पिछले आठ महीने के दौरान मणिपुर नहीं आने की आलोचना की।

पूर्वोत्तर में भाजपा के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए 26 दिन तक पूर्वोत्तर के राज्यों में राहुल की यात्रा रहेगी। राहुल गांधी सबसे ज्यादा 17 दिन असम में रहेंगे। इसके अलावा मणिपुर में चार और नगालैंड में तीन दिन उनकी यात्रा चलेगी। अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में वे एक–एक दिन रहेंगे। सिक्किम, त्रिपुरा और मिजोरम उनकी यात्रा नहीं जाएगी। इन तीन राज्यों में चार लोकसभा सीटें हैं। यानी पूर्वोत्तर की 25 में से 21 सीटों वाले राज्यों में राहुल गांधी की यात्रा जाएगी। मणिपुर से यात्रा शुरूआत हुई है, जहां लोकसभा की दो सीटें हैं। नगालैंड में एक और अरुणाचल व मेघालय में दो–दो सीटें हैं, जबकि असम में 14 सीटें हैं। इन राज्यों में राहुल गांधी 26 दिन यात्रा करेंगे। असम के अलावा बाकी किसी राज्य में कांग्रेस के पास कोई सीट नहीं है। असम में भी कांग्रेस की सिर्फ तीन सीटें हैं। इस तरह पूर्वोत्तर की कुल 25 में से कांग्रेस के पास सिर्फ तीन सीटें हैं। हालांकि हर राज्य में कांग्रेस का वोट आधार अब भी बचा हुआ है। असम में ही भाजपा को कांग्रेस से सिर्फ आधा फीसदी वोट ज्यादा मिला था। राहुल अपनी यात्रा से पूर्वोत्तर में कांग्रेस का खोया हुआ जनाधार हासिल करने की कोशिश करेंगे।

राहुल गांधी की ये यात्रा जिन लोकसभा क्षेत्रों से गुजरेगी, उनमें से मात्र 15 सीटों पर ही कांग्रेस सांसद हैं। संभव है कि कांग्रेस की यह सोच रही होगी कि वह यात्रा के जरिए बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी, महिला उत्पीड़न, कथित राजनीतिक अहंकार, अमीर–गरीब की खाई, आम आदमी को स्वाभाविक न्याय आदि मुद्दों पर व्यापक जनमत तैयार कर सकती है! बहरहाल उसे चुनाव स्पष्ट कर देंगे। कांग्रेस जातिवाद और मुस्लिमवाद की सियासत करती रही है। कर्नाटक और तेलंगाना के जनादेश इसके जीवंत उदाहरण हैं।

इस यात्रा के लिए भी कांग्रेस ने गठबंधन के घटक दलों को विश्वास में नहीं लिया, लिहाजा सभी असमंजस में बयान दे रहे हैं। अलबत्ता कुछ दलों के नेता यात्रा में जरूर शामिल होंगे। कांग्रेस को ये देखना और सोचना चाहिए कि भाजपा ने पांच राज्यों के चुनावों से फुर्सत होने के बाद एक दिन भी व्यर्थ नहीं गंवाया और लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई। जिन सीटों पर वह 2019 में हारी थी उनके उम्मीदवार वह जल्द घोषित करने के संकेत दे रही है । इसी तरह जिन राज्यों में कमजोर है उनमें भी उसने मोर्चेबंदी शुरू कर दी है। इसके विपरीत कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर उठने वाले मुद्दों पर अपनी नीति स्पष्ट करने असमर्थ नजर आ रही है।

इसका सबसे नया उदाहरण राममंदिर के शुभारंभ पर अयोध्या में आयोजित समारोह में शामिल न होने का निर्णय लेने में किया गया विलंब है। इसके कारण पार्टी का एक बड़ा वर्ग अपने को असहज महसूस कर रहा है। कुछ ने खुलकर शीर्ष नेतृत्व के फैसले को आत्मघाती बताने में हिचक नहीं की। राहुल को यद्यपि न्योता ही नहीं मिला किंतु इस ज्वलंत विषय पर वे स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बोल सके। ऐसे में आवश्यकता इस बात की थी कि वे बजाय सवा दो महीनों की लंबी यात्रा निकालने के, गठबंधन के घटक दलों के बीच सामंजस्य बिठाने का काम करते, जिनके बीच वैचारिक मतभेद और महत्वाकांक्षाओं का टकराव सर्वविदित है।

राहुल गांधी की ये यात्रा जिन 15 राज्यों से गुजरेगी, उन राज्यों में लोकसभा की कुल मिलाकर 357 सीटें हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन को देखें तो इन राज्यों में कांग्रेस की स्थिति बहुत ही खराब है। कितनी खराब इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि इन 357 सीटों में पार्टी महज 14 पर ही जीत हासिल कर पाई थी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा वाले राज्यों में से 5 तो ऐसे हैं जहां 2019 में कांग्रेस खाता तक नहीं खोल पाई। कांग्रेस को इस यात्रा से उत्तर पूर्वी राज्यों में ठीक उसी प्रकार जीत की उम्मीद है जैसे भारत जोड़ो यात्रा से तेलंगाना और कर्नाटक में बड़ी जीत मिली है। कांग्रेस को जीत की उम्मीद तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी थी। लेकिन वहां उम्मीदों पर पानी फिर गया। राहुल गांधी की इस यात्रा का आगाज तो बहुत अच्छा हुआ है लेकिन अंजाम कैसा होगा यह चुनावी नतीजे बताएंगे। अब यह देखना अहम होगा कि इस यात्रा से कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में कितना लाभ मिल पाता है।

—लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

जहां तैयार हुए जीवन मूल्यों के शूरवीर

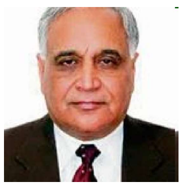

-ले. जन. एसएस मेहता (अ.प्रा.)-

मैं उस वक्त 16 साल का भी नहीं था जब राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में दाखिला मिला था और इस महीने मैं 80 बरस का हो जाऊंगा। हम चार भाई फौज में रहे, तीन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के प्रशिक्षु रहे तो चौथा इस अकादमी में प्रशिक्षक–अफसर रहा। मेरे बेटे ने भी एनडीए से प्रशिक्षण लिया है, जिसने आगे चलकर एक रेजीमेंट का बतौर कमांडर नेतृत्व किया। फौज में कमीशन मिलने पर मेरी नियुक्ति 63वीं कैवेलरी में हुई। अपने पांच नजदीकी रिश्तेदारों में, हम चार भाइयों, मेरे बेटे और जीजा ने भी 1971 का युद्ध लड़ा।

बा–वर्दी में और बिना–वर्दी दिनों की यादें गर्माहट भरी हैं। एनडीए की वीथियों से होकर कम उम्र में फौज में आने का लाभ है यह प्रशिक्षण में बेफिक्री, भाईचारा, अनुशासन, टीम–भावना, रणनीतिक दृष्टि, प्रभावशाली रूप से समझाने की काबिलियत और लचीला रुख भर दिया जाता है। नतीजतन, हिम्मत न हारो, अनेकता में एकता और स्वयं से पहले सेवा की भावना बनती है। यह भाव 'मेरे लिए राष्ट्र सर्वप्रथम, सदैव और हरहाल में' वाला मूलमंत्र बन जाता है।

एनडीए कोर्स में प्रवेश 'सेना बतौर एक इकाई' होता है। हालांकि इसकी संरचना लगभग एक दर्जन अलहदा विधाओं से हुई है। यह विविधता ढल जाने और सकल प्रभावशीलता में प्रवीणता बनाती है क्योंकि प्रत्येक प्रवेश संस्थान प्रशिक्षु में एक नेतृत्वकर्ता और फौजी होने के लिए जो आयाम आवश्यक है, उस हेतु विलक्षण कौशल और अनुभव से लैस कर देता है।

नव फौजी अफसर पैदा करने वाली यह 'सैन्य नर्सरी' लोकतांत्रिक मूल्य भरने के लिए भी जानी जाती है, सुनने में भले ही अटपटा लगे, लेकिन एनडीए के लिए यही सच है। आज जब यह अपनी स्थापना के 75 साल पूरे कर रही है, यहां से तैयार होकर निकले प्रशिक्षुओं में जो बात सबसे निराली है, वह यह कि यहां की पढ़ाई सैन्य नेतृत्वकर्ताओं में ऐसी सपाट एवं एकांगी दृढ़ता बनाती है, जो अपने प्रशिक्षुओं को संविधान के प्रति ली सौंगध से भटकने की इजाजत नहीं देती।

1970 और 80 के बीच ऐसा वक्त था जब भारत पूरबी और पश्चिमी ओर से सत्ता पर सैन्य तानाशाह काबिज मुल्कों में घिरा था। तथ्य यह है कि, जहां हमारे पश्चिमी पड़ोसी के सैन्य प्रशिक्षण संस्थान भावी सैन्य–तानाशाह तैयार करते हैं वहीं एनडीए की टकसाल में निराले पेशेवर फौजी ढलते हैं, जो अपने देश और मातहतों के हितार्थ अपनी जान को जोखिम में डालने को तत्पर रहते हैं, यह जज्बा एनडीए के आदर्श वाक्य 'सेवा परमोधर्मः' या 'स्वयं से पूर्व सेवा' को सही मायने में चरितार्थ करता है। बतौर एक लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत की सफलता के पीछे एक बड़ा कारण यह भी है कि हमारे सैन्य नेतृत्व के कृत्यों और जहन में सत्ता का लालच बिल्कुल नहीं है, जबकि दुनियाभर में औपनिवेशिक दासता से मुक्त हुए अनेकानेक मुल्कों की फौज में यह लिप्सा कभी न कभी तारी हो गई।

हमारे संस्थानों में सेना एक जीता–जागता उदाहरण है, जिसके आदर्शों को स्वरूप देश के संस्थापकों ने दिया था। केवल एक आदर्शवादी ही देश के लिए जान देने के लिए तैयार–बर–तैयार रहता है और सेवानिवृत्ति उपरांत घर पर अपने पोते–पोतियों को गाथाओं से प्रेरित करता है। हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में अंतर्निहित रहे कालजयी आदर्शवादी मूल्य और रिवायतों की हमारी सेना मुंह बोलता उदाहरण है। इस खासियत ने एनडीए और इस जैसे अन्य भारतीय सैन्य संस्थानों को विश्व की सर्वोत्तम रक्षा सेवा प्रवेश अकादमियों में स्थान दिलवाया है, जहां पर बिना अपवाद भावी पेशेवर फौजी अफसर तैयार किए जाते हैं और, बेशक, उनमें कुछ ने खुद को विश्व–स्तरीय सैन्य कमांडर एवं रणनीतिज्ञ सिद्ध कर दिखाया है।

भारत ने जितने युद्ध लड़े हैं उनमें सबमें सैन्य बलों का व्यवहार, अपने–अपने प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा भरे गए मूल्यों के प्रति सर्वोत्तम प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा है। यदि भारतीय सेना ने बांग्लादेश की आजादी के लिए लड़े युद्ध के बाद, नव–स्थापित आजाद सरकार की 'सहायता' के नाम पर वहीं न बने रहकर, शीघ्र वतन वापसी करी, तो इसके पीछे बहुत श्रेय जाता है दिवंगत जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) सैम मानेकशॉ के मूल्यपरक नेतृत्व गुणों को, यह वह सबक है जिस पर एनडीए के वर्तमान और पूर्व–प्रशिक्षकों को नाज है। 1971 के घटनाक्रम को अक्सर 'न्याय युद्ध' वह लोग कहते हैं जिनको अटल विश्वास है यह कार्रवाई पाकिस्तानी सेना द्वारा बरपाए नरसंहार और बलात्कारों के प्रतिकर्म स्वरूप की गई थी। इसने बांग्लादेश को आजादी दिलवाई और अपने लोगों को भावी हिंसा से बचाया। 'जायज और नाजायज युद्ध' नामक शोध पर किताब के लेखक माइकल वॉल्ज़र के अनुसार यह लड़ाई 20वीं सदी के तमाम युद्धों में सही मायनों में मानवीय आधार पर की गई एकमात्र सैन्य दखलअंदाजी थी। और इस न्याय युद्ध में भाग लेने वाले अफसरों और अन्य साथी फौजियों की नैतिकता की रीढ़ के पीछे एनडीए प्रदत्त मूल्य थे।

जिस बर्बर और विषैले दुश्मन के साथ भीषण लड़ाई लड़ी हो, युद्धोपरांत उसी के साथ नरमी से पेश आना बहुत मुश्किल होता है, वह भी तब जब बतौर युद्धबंदी उसकी भलाई आपके रहमोकरम पर हो। बांग्लादेश में आत्मसमर्पण करने वाले 90000 से अधिक युद्धबंदियों का प्रबंधन करना एक बहुत बड़ा और विकट काम था।

प्रत्येक ऐसे युद्धबंदी को यह संदेश साफ मिल गया था कि यह विजय सैन्य शासन पर लोकतंत्र की और बर्बरता पर मानवीयता की है, जेनेवा युद्धबंदी अंतर्राष्ट्रीय संधि के प्रावधानों पर भी यह व्यवहार पूरी तरह खरा उतरा। आगे चलकर, कारगिल और अन्य युद्ध मोर्चों पर जो स्थितियां सामने आईं, लगता है हमारा दिखावा मानवीय रवैया किसी काम न आया। वर्तमान में विश्वभर में जो भयावह परिदृश्य है, उसके परिप्रेक्ष्य में इसे देखकर अफसोस होता है।

यहां तक कि जब श्रीलंका में भारतीय शांति सेना को बहुत भारी जानी नुकसान झेलना पड़ा तब भी भारतीय सेना ने सिविलियनों की आड़ में छिपकर हमले कर रहे एलटीटीई आतंकियों पर जवाबी गोलीबारी करने से खुद को रोके रखा। वियतनाम युद्ध को निर्दोष ग्रामीणों पर बरपाए माई लाई नरसंहार और अन्य ज्यादतियों भरे प्रसंगों के लिए जाना जाता है, लेकिन ठीक इस जैसी परिस्थितियों में भारतीय सेना की कार्रवाई की गाथाएं एकदम उलट हैं। अर्थात भारतीय फौजी अफसर वह होता है जो सिविलियनों का जानी नुकसान न्यूनतम रखने की एवज में खुद अपने पर और अपने फौजियों पर भारी पीड़ा झेलने को मानसिक रूप से तैयार रहता है। यदि विदेशी आक्रमणकारियों और घरेलू विद्रोहियों से लड़े प्रत्येक युद्ध के बाद भी यह रिवायत कायम है, तो यह तभी हो पाया क्योंकि हमारी सैन्य अकादमियों में अफसरों में मानवता एवं मानववादी आचरण कायम रखने के बारे में सिखाया जाता है।

भारतीय फौजियों ने लचीलापन, शौर्य एवं प्रतिबद्धता का अनवरत प्रदर्शन कायम रखा है। 1999 में कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने तमाम विपरीत स्थितियों में पर्वत शिखर युद्धकौशल और राजनीतिक इच्छाशक्ति द्वारा तय परिधि के भीतर रहकर, वास्तविक सीमा रेखा पार किए बिना घुसपैठियों को खदेड़ डाला। मेरी जानकारी में आधुनिक इतिहास में ऐसा कोई अन्य उदाहरण नहीं है कि दुश्मन की फौरी और शर्मिंदगी भरी हार सुनिश्चित करने के साहसिक सैन्य कार्रवाई के साथ–साथ उतने अनुपात में अनुशासनात्मकता भी दिखाई गयी हो।

कोई हैरानी नहीं कि हमारे संस्थानों ने ऐसा सैन्य नेतृत्व तैयार किया है जिसे अपने पारितोष की एवज में सत्ता कब्जाने की लालसा डिगा नहीं पाती। बड़े से बड़ा लालच दृनिरंकुश सत्ता– के सम्मुख भी दिमाग में अनुशासन को सर्वोपरि रखना कोई आसान काम नहीं है और इस प्रयास को एनडीए ने सफलतापूर्वक सिद्ध कर दिखाया है, अतएव दुनियाभर की रक्षा अकादमियों में एनडीए सोपान का मानदंड बनी हुई है।

आज जब एनडीए अपने स्थापना का 75वां साल मना रहा है, अपने इस और अन्य रक्षा प्रवेश संस्थानों के तमाम साथियों एवं सैनिकों को सम्मान–सलामी देना एकदम वाजिब है। यह विशेषता, रक्षा प्रशिक्षण प्रदाता की तमाम धाराओं से बना वह सम्मिलित सरमाया है, जो हमें एवं दुर्जेय सेना एवं दुनिया की नजर में आकर्षण का बिंदु बनाती है।

अगर मुझे पुनः जीवन मिले तो 16वें साल में फिर से वही दोहराना चाहूंगा, जैसा कि 11 दिसंबर, 1962 के दिन एनडीए के 22वें कोर्स में दाखिला पाकर किया था।

लेखक पश्चिमी सेना मुख्यालय के पूर्व कमांडर हैं।

अयोध्याधाम बनेगा संसार का सबसे पवित्र तीर्थ

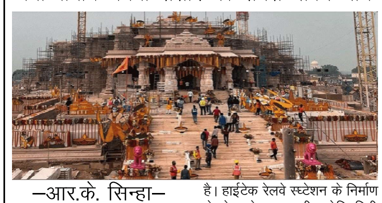

—आर.के. सिन्हा—

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण को लेकर आज न सिर्फ भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में अपूर्व आस्था और उत्साह का माहौल है। यहां तक कि पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान की सभी टी० वी० चौनलों पर भी श्री राम और अयोध्या धाम की ही चर्चा चल रही है ! यह एक ऐसा अवसर है, जिसका इंतजार भारत कई शताब्दियों से कर रहा था। लंबे संघर्ष और विवाद के बाद नौ नवंबर, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के साथ शुरू हुआ अयोध्या में मंदिर निर्माण का सफर 22 जनवरी को एक बड़ी पूर्णाहुति को प्राप्त करेगा। नव्य और भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ एक ऐसा ऐतिहासिक चरण पूरा होगा, जो आधुनिक भारत में सांस्कृतिक नवजागरण का शीर्ष साक्ष्य होगा।

30 दिसंबर 2023 को अयोध्या और उसके आसपास के क्षेत्र में 11,100 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का भारत पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है।

अयोध्याधाम के साथ विकसित हो रहा भगवान राम का जन्मस्थान मंदिर आधुनिक भारत का एक ऐसा महान तीर्थ बनने जा रहा है, जो माननीय प्रधानमंत्री जी के विरासत और विकास के विजन के अनुरूप है। दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी पुरातन विरासत को तो संभालना ही होगा। हमारी विरासत, हमें प्रेरणा देती है, हमें सही मार्ग दिखाती है। आज अयोध्या की शोभा देखते ही बनती है। सूर्यवंशी राजा राम की नगरी अयोध्या में जगह–जगह सूर्यस्तंभ लगाए जा रहे हैं। मंदिर परिसर में कांस्य की बनी विशाल जटायु प्रतिमा भी लगाई गई है। प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में हवाई अड्डे का लोकार्पण करते हुए तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के यहां आने की सुगमता पहले ही बढ़ा दी है। हाईटेक रेलवे स्टेशन के निर्माण से तो अयोध्याधाम की कनेक्टिविटी और भी बढ़ गई है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से लेकर यहां पर चल रही विकास परियोजनाओं को समय पर लागू करना का श्रेय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी जाता है। उन्होंने दिन–रात मेहनत कर यह सुनिश्चित किया ताकि अयोध्या को संसार के सबसे प्रमुख तीर्थ स्थल का दर्जा प्राप्त हो जाए।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पूरे देश से श्रद्धालुओं का आना बढ़ जाएगा। यहां बनने जा रही नई टाउनशीप यहां के लोगों का जीवन और आसान बनाएगी। इसके लिए कई स्तरों पर कई क्षेत्रों में तेजी से कार्य हो रहा है। आवाजाही की सुगमता के लिए यहां जगह–जगह मल्टीलेवल पार्किंग बन रही है। यहां इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने की भी पर्याप्त सुविधा भी रहेगी।

अयोध्या में भक्तिपथ, रामपथ, जन्मभूमि पथ, धर्मपथ आदि का लोकार्पण भी होना है। इसी तरह नए मेडिकल कॉलेज से यहां आरोग्य की सुविधाओं को और विस्तार मिलेगा। सरयू नदी में गिरने वाले दूषित पानी को रोकने के लिए भी काम शुरू हुआ है। राम की पैड़ी को एक नया स्वरूप दिया गया है। सरयू किनारे नए–नए घाटों का विकास हो रहा है। यहां के सभी प्राचीन कुंडों का पुनरुद्धार किया जा रहा है। लता मंगेशकर चौक हो या राम कथा स्थल, ये आज अयोध्या की पहचान बढ़ा रहे हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के साथ रोजगार के कई अवसर सृजित हो रहे हैं। विगत तीन वर्षों में विश्व ने अयोध्या की भव्य दीपावली देखी है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश–विदेश में उत्साह है। समारोह के लिए थाईलैंड के राजा ने वहां की मिट्टी भेजी है। कंबोडिया से सुगंधित हल्दी आई है। कई और देशों से इस महान अवसर के लिए अनमोल भेंट आने का सिलसिला जारी है। इसी तरह देश के विभिन्न प्रदेशों से भी भेंट और पूजन सामग्री अयोध्या पहुंच रही है। जोधपुर से 600 किलोग्राम गाय का घी आया है।

हादसे में मां की गोद में बैठी दुधमुंही बच्ची की मौत

संवाददाता–गोण्डा। कोतवाली देहात क्षेत्र में सालपुर चौकी अन्तर्गत सोनबरसा–सीहागांव मार्ग पर बाइक सवार दम्पति गन्ना लदे ट्रैक्टर–ट्राले से टकरा गए। हादसे में महिला की गोद में बैठी दुधमुंही बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई और दंपति गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस टैक्ट्रर–ट्राले को कब्जे में लेकर चौकी पर खड़ा करवा दिया है। वहीं, मासूम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा है।

मंगलवार दोपहर रवि मिश्रा निवासी रनियापुर पचपेड़िया थाना मोतीगंज अपनी पत्नी गीता के साथ मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। सोनबरसा–सीहागांव मार्ग पर भदवां सोमवंशी गांव के पास गन्ना लदे ट्रैक्टर ट्राले से उनकी बाइक टकरा गई। दुर्घटना में मां की गोद में बैठी एक साल की दुधमुंही बच्ची प्रियांशी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, पति–पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। सालपुर पुलिस चौकी इंचार्ज पवन कुमार सिंह ने बताया कि बच्ची का शव पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। देहात कोतवाल अरुण कुमार ने बताया कि टैक्ट्रर–ट्राले को कब्जे में लेकर पुलिस चौकी पर खड़ा करवा दिया गया है। मामले में तहरीर के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

69 महाविद्यालयों के 13055 छात्रों को मिला स्मार्ट फोन

संवाददाता–देवरिया। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए स्नातक व परास्नातक के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए स्कूलों को स्मार्टफोन का वितरण मंगलवार को तहसील परिसर में किया गया। जिले के 69 महाविद्यालय को 13055 छात्रों के लिए स्मार्ट फोन का वितरण किया है। शेष 47 महाविद्यालयों ने शेष छात्रों को दूसरे चरण में स्मार्ट फोन का वितरण किया जाएगा। पिछले कार्यकाल से ही प्रदेश सरकार के द्वारा स्नातक और परास्तानक, इंजीनियरिंग करने वाले छात्रों को स्मार्टफोन और टेबलेट का वितरण किया जाता है। जिले में वित्तीय वर्ष 2022–23 का 116 महाविद्यालयों के स्नातक और परास्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों को स्मार्टम फोन को वितरण किया जाना था। जिसमें पहले चरण में जिले के 69 महाविद्यालयों के बीए, एमए, बीकाम, बीएड, बीएससी, एमएसी आदि के अंतिम वर्ष के 13055 छात्र–छात्राओं को स्मार्ट फोन वितरण किया जाना है। इसके लिए जिला प्रशासन को मोबाइल उपलब्ध करा दिया गया था। मंगलवार को सदर तहसील से जिले के 69 विद्यालयों के शिक्षक और कर्मचारियों को बुलाकर स्मार्ट फोन का वितरण किया गया। विद्यालयों के लिए आए कुल 13055 स्मार्ट फोन स्कूलों में भेज दिया गया है। जहां से छात्रों को स्मार्ट फोन का वितरण किया जाएगा। शेष बचे 47 महाविद्यालय के शेष छात्रों को दूसरे चरण में स्मार्ट फोन का वितरण किया जाएगा। स्मार्ट फोन वितरण के दौरान एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, प्रभारी डीआईओएस महेन्द्र प्रसाद, नोडल अधिकारी उच्च शिक्षा राजकीय महाविद्यालय इंदूपुर थाना गौरीबाजार के उदयभान, राजीव मिश्रा, परीक्षा लिपिक मनीष कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जिले के आईटीआई और इंजीनियरिंग करने वाले छात्रों को टेबलेट का वितरण किया जाना है। इसके लिए विभाग तैयारी कर रहा है। आने वाले दिनों में इन स्कूलों के छात्रो के लिए टेबलेट आएंगा। जिसका वितरण जिला मुख्यालय से किया जाएगा। इसके लिए विभाग के पोर्टल पर इसके बारे में जानकारी आएंगी। इसके बाद छात्रों के लिए टैबलेट जिला में आएंगा।

भक्ति के वातावरण में जगतगुरु रामदिनेशाचार्य सुना रहे हैं श्री राम कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उल्लास में पूरी अयोध्या डूब गई है भजन कीर्तन कथा प्रवचन से पूरा वातावरण भक्ति में हो गया है ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रभु श्री राम की अयोध्या त्रेता युग में लौट चुकी है जहां श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में आज 16 जनवरी से पूजन अर्चन के साथ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ हो गया वहीं अयोध्या में लगभग एक दर्जन से अधिक स्थानों पर श्री राम कथा भजन कीर्तन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है और अयोध्या में आने वाले श्रद्धालु पूर्ण रूप से उत्साह में डूब चुके हैं और सब लोग राम में हो गए हैं ऐसा लग रहा है की प्रभु श्री राम सब में हैं और सब लोग उनकी मस्ती में डूब कर अपने आप को धन्य कर रहे हैं।

वही अयोध्या की प्रतिष्ठित पीठ श्री हरिधाम पीठ गोपाल मंदिर रामघाट अयोध्या में श्री हर्याचार्य चौरिटेबल ट्रस्ट सेवा ट्रस्ट के आयोजन में जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य महाराज द्वारा श्री राम कथा का श्रवण कर लोक अपने आप को धन्य कर रहे हैं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर यह श्री राम कथा 16 जनवरी से प्रारंभ होकर 22 जनवरी तक शाम के सत्र में 4 बजे से 7 तक चलेगी। श्री राम कथा का शुभारंभ करते हुए जगतगुरु रामदिनेशाचार्य महाराज ने प्रभु श्री राम के चरित्र के महात्मा का वर्णन करते हुए कहा कि जो भी मनुष्य अपने जीवन में प्रभु श्री राम के चरित्र को धारण करता है उसका जीवन धन्य हो जाता है और इसका सरल मार्ग केवल श्री राम कथा है और कुछ भी नहीं।

उन्होंने बताया कि त्रेता युग में प्रभु श्री राम का जन्म हुआ और आज भी उतनी ही मान्यता प्रभु श्री राम की क्यों है क्योंकि उन्होंने अपना जीवन मर्यादा में जिया और पूरे जगत को पहली बार अपने जीवन में कैसी मर्यादा का पालन करना चाहिए इसका पाठ पढ़ाया उन्होंने अपने जीवन को एक अनुपम उदाहरण बना दिया कि व्यक्ति का पिता के प्रति क्या कर्तव्य है माता के प्रति क्या कर्तव्य है भाई के प्रति क्या कर्तव्य है पत्नी के प्रति क्या कर्तव्य है और प्रजा के प्रति क्या कर्तव्य है यही कारण है कि आज भी प्रभु श्री राम की चर्चा जितनी की जाए उतनी कम है और जब राजनीति की बात आती है तो राम राज्य के अलावा और किसी भी राज्य की कल्पना या उदाहरण नहीं दिया जाता है। उन्होंने बताया कि बड़े हर्ष की बात है कि हमारे पूर्वजों ने सदियों तक संघर्ष किया आज प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर बन रहा है उसे अवसर पर श्री राम कथा श्रवण करने का अवसर प्राप्त हो रहा है इससे उत्तम भाग्य और कुछ नहीं हो सकता।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चहुंओर दिख रहा उत्साह

संवाददाता–बलरामपुर। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चारो ओर धूम मची हुई है। जहां एक ओर पूजित अक्षत व पत्रक घर–घर वितरित किए जा रहे हैं। वहीं शोभा व पद यात्रा निकालकर भी श्रद्धालु निमंत्रण बांट रहे हैं। हर किसी का कहना है कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा को लेकर घर–घर में उत्सव जैसा माहौल होना चाहिए। इसे लेकर सत्ता रूढ़ दल भाजपा तमाम कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। जहां एक ओर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्राण प्रतिष्ठा के बाद आराध्य प्रभु राम के दर्शन के लिए लोगों को निमंत्रण पत्र भी भेजा जा रहा है। बसंत लाल इंटर कॉलेज तुलसीपुर के तत्वावधान में मंगलवार को भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र जरवा में अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें भारी संख्या में थारू जनजाति की महिलाएं शामिल हुईं। यात्रा के दौरान लोगों को अपने घरों में 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाने का आह्वान किया गया। साथ ही प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या दर्शन करने के लिए लोगों को पूजित अक्षत व पत्रक भी वितरित किया गया। शोभा यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना कर किया।

शोभा यात्रा में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने कहा कि आज करोड़ों सनातनियों का सदियों पुराना सपना साकार हो रहा है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर निर्माण के लिए हमारे पूर्वजों ने संघर्ष करते हुए प्राणों की आहुति दी थी। उसी का परिणाम है कि आज अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। उन्होंने 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के दिन लोगों से अपने घरों में पूजा अर्चना के साथ–साथ उत्सव जैसा माहौल बनाने की अपील की। पूर्व सांसद श्री मिश्र ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन अपने घरों में कम से कम पांच दीपक अवश्य जलाएं। साथ ही अपने आराध्य श्रीराम का ध्यान कर दीवाली मनाएं। कहा कि आज त्रेतायुग जैसा माहौल दिखाई पड़ रहा है। हम सभी लोग सौभाग्यशाली हैं जो इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साक्षी बन रहे हैं। कार्यक्रम में थारू जनजाति की भारी संख्या में महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर यात्रा में शामिल हुईं। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सीमावर्ती क्षेत्र खासकर थारू जनजाति के लोगों में भारी उत्साह दिखाई पड़ रहा है। इस अवसर आयोजक विवेक गोयल, भाजपा नेता विनय प्रकाश त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष हरीश सहित भारी संख्या में राम भक्त शामिल थे।

अटल आवासीय विद्यालय में आनलाइन आवेदन शुरू

संवाददाता–श्रावस्ती। अटल आवासीय विद्यालय के लिए आनलाइन आवदेन शुरू हो गए हैं। कक्षा छह में 140 व कक्षा नौ में 140 समेत कुल 280 सीटें रिक्त हैं। जिसके सापेक्ष छात्र छात्राओं का प्रवेश लिया जाएगा। सहायक श्रमायुक्त सन्तपाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से अटल आवासीय विद्यालय ग्राम सिसवा, तहसील मनकापुर जनपद गोण्डा में संचालित है। उन्होंने बताया कि यूपी भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों तथा कोविड–19 की महामारी के दौरान कोरोना से निराश्रित हुए बच्चों तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत पात्र बच्चों का प्रवेश लिया जाएगा। जिनके लिए शैक्षिक सत्र–2024–25 के लिए कक्षा–छह में उपलब्ध कुल–140 सीट जिसमें 70 बालक व 70 बालिकाएं तथा कक्षा नौ में उपलब्ध कुल–140 सीट, 70 बालक एवं 70 बालिकाएं पर अटल आवासीय विद्यालय मनकापुर गोण्डा में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र किसी भी कार्य दिवस में श्रावस्ती के कार्यालय सहायक श्रमायुक्त व जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय से निशुल्क प्राप्त किया जा सकता है। पूर्ण भरे हुए आवेदन पत्र समस्त वांछित अभिलेखों व तीन अतिरिक्त पासपोर्ट साइज फोटो के साथ दो फरवरी तक कार्यालय सहायक श्रमायुक्त श्रावस्ती में जमा किया जाएगा। प्रवेश परीक्षा का आयोजन 25 फरवरी होगा।

शहर के मंदिरों में जनप्रतिनिधियों ने की साफ–सफाई

संवाददाता–देवरिया। अयोध्या में नवनिर्मित भव्य श्री राम मंदिर में 22 को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पूरा माहौल भक्तिमय हो चला है। मंगलवार को शहर में जगह–जगह स्थित मंदिरों में जनप्रतिनिधियों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान चलाकर मंदिरों की साफ–सफाई की। सदर के सांसद डा. रमापति राम त्रिपाठी ने नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा तथा अन्य कार्यकर्ताओं के साथ गरूलपार स्थित काली मंदिर में झाडू लगाकर मंदिर परिसर की सफाई की। उन्होंने मंदिर के पुजारी और दर्शनार्थियों को 22 जनवरी को भजन कीर्तन करने तथा मंदिर में दीप जलाकर उत्सव मनाने का आग्रह किया। कचहरी चौराहा स्थित शिव मंदिर में सदर विधायक डा. शलभ मणि त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं के साथ मंदिर परिसर में पोछा लगाया व मंदिर की सीढ़ियों की सफाई की। इस दौरान उन्होंने दीवाल पर कमल का फूल बनाया और इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ साउंड पर बज रहे गाने पर झूम कर खुशियां मनाई और जय श्री राम के नारे लगाए। इस क्रम में पंचमुखी हनुमान मंदिर पर नपा अध्यक्षा अलका सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मंदिर परिसर में झाडू लगाया तथा पोछा लगाकर मंदिर परिसर की सफाई की। इस दौरान उन्होंने वाल पेंटिंग भी किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम लला के प्राण प्रतिष्ठा की तिथि जैसे जैसे नजदीक आ रही है वैसे वैसे लोगों में अपार उत्साह और उमंग देखने को मिल रहा है।

पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ, घंटों डटा रहा था पेड़ पर

संवाददाता–बहराइच। जिले में कई दिनों तक लोगों को परेशान करने वाला तेंदुवा आखिरकार गिरफ्त में आ गया। मंगलवार की सुबह उसे पकड़ लिया गया। जिले की महसी तहसील में हरदी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बहदुरिया में सोमवार को एक तेंदुवा पेड़ पर बैठा दिखा था। घंटों पेड़ पर बैठने के बाद तेंदुवा गन्ने के खेत में चला गया था। जिसके बाद वन टीम ने पिंजरा लगा कर कांबिंग शुरू की थी। मंगलवार की सुबह तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। इस दौरान तेंदुए को देखने के लिए भरी जन सैलाब उमड़ा। वन विभाग ने स्वास्थ जांच के लिए तेंदुए को रेंज कार्यालय पहुंचाया हैं।

हरदी और खैरीघाट थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित बहदुरिया गांव में खेत की रखवाली करने गए किसानों ने पेड़ पर तेंदुआ बैठा देखा था। जिसके बाद ग्रामीणों ने इसकी जानकारी वन विभाग को दी थी। लेकिन जब तक वन टीम मौके पर पहुंचती तेंदुवा गन्ने के खेतों में चला गया था। जिसके बाद डीएफओ बहराइच वन प्रभाग अजीत प्रताप सिंह ने रेंजर मोहम्मद शाकिब व टीम के साथ तेंदुए की तलाश शुरू की थी। कांबिंग के साथ ही गन्ने के खेत में पिंजरा भी लगाया गया था। जिसमे मंगलवार की सुबह लगभग 4 बजे तेंदुआ कैद हो गया। तेंदुआ के कैद होने की सूचना पर कई गांवों की भीड़ उमड़ पड़ी और मौके पर मेले जैसा माहौल बन गया। वन टीम ने तेंदुए को पिंजड़ा सहित रेंज कार्यालय पहुंचाया है। डीएफओ अजीत प्रताप सिंह ने बताया की स्वास्थ्य जांच के बाद तेंदुए को जंगल में छोड़ा जाएगा।

प्राण प्रतिष्ठा के लिए पुजारी रखेंगे व्रत, करेंगे विशेष पूजा

संवाददाता–श्रावस्ती। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन को ऐतिहासिक बनाने के लिए जिले भर में अभियान चलाया जा रहा है। मंदिरों की साफ सफाई के साथ ही साज सज्जा कराई जा रही है। प्राण प्रतिष्ठा के दिन मंदिरों के पुजारी व्रत रख कर पूजा पाठ कराएंगे। इसके साथ ही लोगों को मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों में बुलाने के लिए अक्षत का वितरण किया जा रहा है।

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मंदिरों की साफ सफाई कराई जा रही है। मंगलवार को श्रावस्ती विधायक राम फेरन पाण्डेय ने कई मंदिरों में साफ सफाई की। इस दौरान स्थानीय लोगों से मिल कर मंदिर परिसर व आस पास साफ सफाई बनाए रखने की अपील की। इस मौके पर भाजपा पदाधिकारी व अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे। इसी तरह से थाना हरदत्त नगर गिरंट में थानाध्यक्ष गिरंट प्रमोद कुमार अग्निहोत्री ने सभी पुलिस कर्मियों के साथ मिल कर साफ सफाई किया। इसके साथ ही मंदिर में भी साफ सफाई की। जबकि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा ओम ने जगपतिधाम मंदिर राप्ती बैराज पहुंच कर साफ सफाई की और मंदिर की साज सज्जा करने में मदद की। इस मौके पर मंडल महामंत्री जयप्रकाश वर्मा, मंडल सहायोजक राम किशोर पाल, बूथ अध्यक्ष राम नरेश साहू, सोनू मिश्रा, महंत रीता गिरी महाराज सहित कार्यकर्ता ग्रामवासी मौजूद रहे।

हनुमान मंदिर लक्ष्मननगर के पुजारी बाबा ओंकार दास ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन व्रत रख कर पूजा पाठ करेंगे। इसके लिए सभी मंदिरों के पुजारियों से संपर्क किया जा रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के दिन अधिक से अधिक लोगों को मंदिर तक पहुंचाने के लिए संपर्क किया जा रहा है। राम जन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को श्री राम अपने गर्भ गृह में प्रवेश करेंगे। इस पूजित अक्षत ग्राम पंचायत बेलकर में हर घर में बांटा गया। ग्राम प्रधान अरविंद कुमार शुक्ला महात्मा जिलाध्यक्ष जय बजरंग सेना श्रावस्ती ने किया।

इस अवसर पर जिलेदार मिश्रा, अमित कुमार, राजेश कुमार, शिव भोले, कनकलता, राजकुमारी, श्रीमती जनका आदि के घरों में पूजित अक्षत वितरण किया गया।

दो दशक बाद कस्तूरबा बेटियों को मिलेगा निजी भवन का तोहफा

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के तीन कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की बेटियों एवं शिक्षक कर्मचारियों को नए साल पर 20 वर्ष बाद निजी भवन मिल सकेगा। तीनों विद्यालयों के भवन बनकर लगभग तैयार हो चुके हैं। इससे जिले के तीन कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की बेटियों को उधारी के आवासीय भवन से निजात मिलेगी। शासन से तीनों कस्तूरबा विद्यालयों के निजी भवन निर्माण की मंजूरी लगभग आठ माह पूर्व मिल चुकी है। बजट मिलते ही निर्माण कार्य शुरू हो गया। सभी स्कूलों का कार्य निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। जल्द ही कार्यदाई संस्था बेसिक शिक्षा विभाग को हैंडोवर भी कर देगी। जिले में गरीब, निराश्रित व बेसहारा परिवार से जुड़ी बेटियों को निरूशुल्क आवासीय शिक्षा देने के लिए 11 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय संचालित हैं। इनमें आठ कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालयों का निजी भवन बना हुआ है। जिसमें बेटियां निरूशुल्क आवासीय शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। तीन कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय उधारी के भवन में संचालित हैं। इसमें कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र, केजीबीवी पचपेड़वा जंगल गांव एवं केजीबीवी शिवपुरा के भवन 20 वर्षों से उधारी के मकान में संचालित हैं। जिसमें केजीबीवी शिवपुरा, केजीबीवी जंगल गांव एवं केजीबीवी ग्रामीण क्षेत्र का निर्माण युद्ध स्तर पर जारी है। यह विद्यालय अभी भी समाज कल्याण विभाग के अनुसूचित जनजाति छात्रावास में संचालित है। जिसे खाली कराने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग को कई बार समाज कल्याण विभाग की ओर से नोटिस दिया जा चुका है। तीनों कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के निर्माण के लिए बेसिक शिक्षा विभाग को शासन से दो करोड़ 42 लाख एक हजार 673 रुपए का बजट निर्गत किया जा चुका है। तीनों कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय भवन निर्माण के लिए (यूपीसीएलडीएफ) उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड सहित अन्य संस्था निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर कर रही हैं। विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य लगभग पूरा होने की बात कही जा रही है।

बेसिक शिक्षा विभाग से जिले में तीन कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय के निजी भवन बनने की मंजूरी मिलने के बाद दो का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। इनमें केजीबीवी सिसई में एक करोड़ 19 लाख 358 रुपए का बजट निर्गत किया गया है। कार्यदाई संस्था महंगाई को देखते हुए भवन की लागत अधिक होने पर बजट की अतिरिक्त मांग के चलते निर्माण कार्य शुरू होने से विलंब हुआ था। लेकिन अब निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। वहीं केजीबीवी शिवपुरा 92 लाख चार हजार एवं केजीबीवी जंगल गांव पचपेड़वा 31 लाख आठ हजार के बजट से भवन निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। केजीबीवी नगर का विद्यालय मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर बौद्ध परिपथ के समीप सिसई गांव में निर्माण की मंजूरी मिली थी। वहीं केजीबीवी शिवपुरा का ब्लॉक संसाधन केंद्र परिसर में नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। केजीबीवी जंगल गांव पचपेड़वा का निर्माण रेहरा जंगल गांव में शुरुआत हो चुकी है।

20 वर्षों से उधारी भवन में संचालित केजीबीवी जंगल गांव केजीबीवी ग्रमीण क्षेत्र एवं शिवपुरा की बेटियों को अब निजी भवन में पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा। इन बेटियों को निजी भवन के लिए शासन से विभाग को बजट निर्गत किया जा चुका है। विभाग ने निर्धारित कार्यदायी संस्था को बजट जारी कर दिया है। कार्यदाई संस्था निर्माण कार्य लगभग पूरा कर चुकी है। नवीन सत्र के अप्रैल माह तक निजी भवन में स्कूल संचालित होने की की बात विभाग कह रहा है। कल्पना देवी, बीएसए ने कहा कि शासन से जिले में तीन कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालयों को निजी भवन निर्माण का बजट निर्गत किया जा चुका है। विभाग ने निर्धारित कार्यदायी संस्था को समय से निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया है। विभाग का पूरा प्रयास है कि नवीन शिक्षा सत्र के पहले उधारी के भवन में चल रहे स्कूलों को निजी भवन में संचालित कर दिया जाएगा।

प्रायश्चित पूजन सरयू स्नान और कर्म कुटी पूजन के साथ प्रारंभ हुआ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राम लला का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव रामघाट स्थित विवेक सृष्टि से प्रायश्चित पूजा के साथ प्रारंभ हो गया। श्री राम जन्मभूमि ए तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा अपनी पत्नी के साथ पूजन में बैठे और 22 जनवरी तक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में मुख्य यजमान की भूमिका निभाएंगे इन्हीं के द्वारा सभी पूजा संपन्न होगी आज 16 जनवरी को प्रायश्चित पूजा के बाद वैदिक आचार्य के साथ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के मुख्य यजमान डॉ अनिल मिश्रा अपनी पत्नी के साथ मां सरयू के तट पर पहुंचे जहां वैदिक आचार्य ने विद्वत पूजन कराया स्नान किया मां सरयू को पुष्प अर्पण किया और आरती उतारी यह पूरी प्रक्रिया लगभग 1 घंटे तक चली उसके बाद आचार्य के साथ डॉक्टर अनिल मिश्रा श्री राम जन्मभूमि परिसर पहुंचे जहां पर कर्म कुटी पूजन किया गया। मां सरयू के स्नान के बाद मुखिया यजमान से गोदान भी कराया गया।

1रू30 से रामघाट स्थित विवेक सृष्टि में प्रायश्चित पूजन प्रारंभ हुआ और यह पूजन लगभग 3रू45 बजे तक चला और उसके उपरांत पंडित गणेश्वर शास्त्री के साथ एक दर्जन वैदिक आचार्य मुख्य यजमान को लेकर के सरयू तट पहुंचे जहां शास्त्रों विधि के अनुसार लगभग 1 घंटे तक कर्मकांड पूजन किया गया डॉ अनिल मिश्रा के शरीर में मां सरयू की मिट्टी का लेप लगाया गया और कर्मकांड के दौरान तीन बार सरयू में स्नान किया और उसके बाद श्री राम जन्म भूमि परिसर लौटे। पंडित गणेश्वर शास्त्री ने बताया कि प्रायश्चित पूजन के बाद यजमान को मां सरयू में स्नान कराया गया शास्त्रों विधि के अनुसार पूजन अर्चन किया गया और यजमान को प्राण प्रतिष्ठा के नियम संयम के पालन की विधि बताई गई।

सूत्रों की माने तो डॉक्टर अनिल मिश्रा इस अनुष्ठान का पालन लगभग 5 दिन पहले से प्रारंभ कर दिए थे और नियम संयम का पालन अपने जीवन में कर रहे थे जिससे वह भगवान की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अपने आप को अनुकूल बना सकें और आज 16 जनवरी को वह समय आ गया जब वह श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मुख्य यजमान बने। सूत्रों के मुताबिक डॉक्टर अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी भूमि सहन कर रहे हैं शुद्ध स्वास्तिक भोजन कर रहे हैं जिसमें फल दूध आदि वस्तुएं शामिल हैं। डॉ अनिल मिश्रा पेश से होम्योपैथिक डॉक्टर हैं बचपन से ही संघ से जुड़े रहे और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बनने के बाद ट्रस्टी की भूमिका अदा कर रहे हैं और मंदिर निर्माण में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रहे हैं।

निर्माण की गति धीमी पाए जाने पर डीएम ने अभियंताओं को लगायी फटकार

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ सीएम डैशबोर्ड एवं विकास कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्माण प्रगति धीमी पाए जाने पर संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के अभियंताओं को कड़ी फटकार लगाई। डीएम ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी एवं बेहतर ढंग से किया जाय। विभागीय अधिकारी सीएम डैशबोर्ड पर अपने विभाग की रैंकिंग में अपेक्षित सुधार लाएं और टीम भावना के साथ कार्य कर विकास कार्यक्रमों में तेजी लाकर जनपद की रैंकिंग बढ़ाएं। समीक्षा के दौरान पता चला कि माह दिसम्बर 2023 में जिले में कुल 69 कार्यक्रमों में से 37 कार्यक्रमों में ए ग्रेड, 12 कार्यक्रमों में ग्रेड–बी, 06 कार्यक्रमों में ग्रेड–सी, 02 कार्यक्रमों में ग्रेड–डी एवं 06 कार्यक्रमों में ग्रेड–ई श्रेणी, 06 कार्यक्रमों में छठा प्राप्त हुआ है। इसलिए और मेहनत करने की जरूरत है। जिसमें ऊर्जा, दुग्ध विकास, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, माध्यमिक शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता, सहकारिता, तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभागों के कार्यक्रमों में ए श्रेणी प्राप्त हुई है। इसके अलावा अवस्थापना औद्योगिक विकास, ग्राम्य विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पंचायतीराज, प्राथमिक शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, सूक्ष्म, लघु एवं समाज कल्याण विभाग के कार्यक्रमों में बी, सी, डी व ई श्रेणी प्राप्त हुई है। जिससे जनपद की रैंकिंग प्रभावित हुई है। इस पर डीएम ने सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्य में तेजी लाकर शत–प्रतिशत डाटा फीडिंग कराने का निर्देश दिया। निर्माण विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान डायट इकौना के सुदृढ़ीकरण एवं भिनगा में निर्माणाधीन 50 बेड आयुष अस्पताल का निर्माण कार्य की गति धीमी होने के कारण जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई और कार्यदायी संस्था यूपीसीसीएल के सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता को कड़ी फटकार लगाते हुए ढंग से कार्य करने की नसीहत दी है। वहीं नव निर्मित राजकीय महाविद्यालय हरदत्तनगर गिरण्ट के हस्तगत की कार्यवाही के लिए आवास विकास के अवर अभियंता को निर्देशित किया है। बैठक का संचालन मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह ने किया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, मुख्य चिकित्साधिकारी डा एपी सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी डीएन सिंह, उप निदेशक कृषि कमल कटियार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग एसके हरित आदि मौजूद रहे।

लक्ष्य पाबूवाल ने चंपत राय को सौंपी भोग की थाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।प्रभु श्री राम के जन्मभूमि मंदिर को लेकर तैयारियां जोरों पर है, 22 जनवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम लला की प्रतिमा की स्थापना के लिए विशेष तैयारियां की जा रही है अवसर को खास बनाने कई तरह के विशेष प्रयास किये गए है जिनमें राम लला की भोग के लिए एक विशेष थाल का भी निर्माण किया गया है, जिसे जयपुर, राजस्थान के कारीगरों ने कई दिनों के तक अनवरत कार्य कर निर्मित किया है, एक चाँदी का भोग थाल, जिसे जयपुर के माननीय आईआरआईएस के सह–संस्थापक लक्ष्य और राजीव पाबुवाल ने विशेष रूप से डिजाइन और निर्माण किया है। राम लला के बने इस विशेष थाल को आज लक्ष्य पाबूवाल ने चंपत राय की मौजूदगी में जन्मभूमि मंदिर को किया समर्पति। इस विशेष थाल पर 18 इंच व्यास का श्रेष्ठतम रचनाको उकेरा गया है, जिस पर भगवान हनुमान का प्रतिनिधित्व किया गया है, एक पवित्र कलश है जिसमें सुंदरकांड के 35वें सर्ग के 15 श्लोकों का उकेरा गया है, जो भगवान राम और लक्ष्मण की दिव्य गुणों को मानने का उत्सव मना रहे हैं।

100 दिन दीजिए, यूपी में करवट लेगी राजनीति –अविनाश पांडेय

संवाददाता–गोरखपवुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय भारत जोड़ो न्याय यात्रा के पूर्वी जोन संवाद में कार्यकर्ताओं का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 100 दिन कांग्रेस को 24 घंटे दीजिए, उत्तर प्रदेश की राजनीति करवट लेगी। हम सबका मुकाबला ऐसी ताकत से है जिन्होंने शासन प्रशासन समेत सभी संवैधानिक संस्थाओं को अपना शस्त्र बना रखा है। उनके कुशासन पर उठने वाली हर उंगली को उनके अग्रिम संगठन इडी, सीबीआई, एनआईए, पुलिस सभी दबाने में जुट जाते हैं जिसके बहुत से उदाहरण देश की जनता भी देख रही है। लोकतंत्र में जनता ही सबसे बड़ी ताकत है, हमें संकल्पित होकर जनता के बीच तैयारी के साथ जाना होगा। एक बार फिर से इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

अविनाश पांडेय मंगलवार को गोरखपुर में पूर्वीजोन के 12 जिलों के पदाधिकारियों के जोनल संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मंच और नीचे बैठे सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का हाथ पकड़ कर एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछली सभी बाते भुला कर आपसी द्वेष, नफरत को मिटा कर एकजुट हो पार्टी को सौ दिन पूरी निष्ठा से दें। वो दिन दूर नहीं जब फिर से कांग्रेस की सरकार होगी। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन पूरी ताकत के साथ लोकसभा चुनाव लड़ेगा। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा नए बदलाव की कहानी लिखेगी। संवाद का शुरू हुआ यह सिलसिला जोन के साथ 23 जनवरी तक जिला एवं 6 फरवरी तक ब्लाक स्तर पर आयोजित कर लिया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष, जिला प्रभारियों एवं जिला अध्यक्षों को निर्देशित किया कि संगठन की सशक्तिकरण तभी होगा जब सबकी जिम्मेदारी निश्चत की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव के बाद ही संगठन में सक्रियता का अभाव है। ऐसे में जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष समीक्षा करें। सात दिन में समीक्षा कर अनुमोदन कर प्रदेश नेतृत्व को प्रस्तावित करें। अनुमोदन उसी का करें जिसकी बूथ एवं समाज में पकड़ हो। आश्वस्त किया कि सभी के सुझावों पर गंभीरता से विचार होगा लेकिन निर्धारित समय सीमा का ध्यान रखते हुए संगठन शक्तिकरण के इस काम को करना होगा।

राम हर किसी के दिल में बसे हैं, लेकिन धर्म और आस्था को राजनैतिक इवेंट बनाकर धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं करेगी। हम हर धर्म, संप्रदाय, जाति एवं समुदाय की जनभावना का सम्मान करते हैं। जिनकी इच्छा अयोध्या जाने की जाएं। कांग्रेसियत को मजबूत करने के लिए राहुल गांधी न्याययात्रा निकाल रहे हैं। हम सब की जिम्मेदारी है कि भारत को जोड़े। जिन्हें भी अयोध्या जाना है, स्वतंत्र है लेकिन षणयंत्रों से सावधान रहें। इसमें जीत गांधीवाद और सत्य की होगी।

प्रोफेसर नवीन सिंह को धन्वंतरि सम्मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विगत ढाई दशकों से ज्यादा समय से एक्यूप्रेशर,योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की सेवा दे रहे विश्व संवाद परिषद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव, अखिल भारतीय प्रकृतिक चिकित्सा परिषद दिल्ली के क्षेत्रीय सचिव, इंडियन योग एसोसिएशन के आजीवन सदस्य, ज्वाइंट सेक्रेटरी उत्तर प्रदेश चौप्टर के प्रोफेसर डॉ नवीन सिंह को आयुष चिकित्सक विशेष सम्मान 'धन्वंतरि' सम्मान से सम्मानित किया गया। वही आस्था आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर हॉलिस्टिक ट्रीटमेंट एंड ट्रेनिंग सेंटर की निदेशक डॉ ज्योति सिंह को आयुष चिकित्सक विशेष 'महर्षि पतंजलि' सम्मान से नवाजा गया।

डॉ नवीन सिंह एवं डॉ ज्योति सिंह को टाउन क्लब हॉल में मुख्य अतिथि राजमाता आशिमा सिंह, सांसद प्रतिनिधि जगदीश प्रसाद शुक्ला, डॉ वीके श्रीवास्तव , बाल विकास अधिकारी रोशनी श्रीवास्तव ने सम्मानित किया।

आयुष चिकित्सक विशेष सम्मान पाने पर प्रो डॉ सिया प्रताप सिंह, योगाचार्य डॉ रमेश चंद्रा, प्रो डॉ अर्चना दुबे, प्रो डॉ शहरोज रिजवी, डॉ सतेंद्र मिश्र, बी.के.पाण्डेय,डॉ संगीता यादव, योगाचार्या सन्नो दुबे,ओम प्रकाश आर्य, गरुण ध्वज पांडेय, धर्मेंद्र कुमार पांडेय, विशाल पांडेय, वेदांत सिंह,डॉ नवजोत सिंह,श्रवण कुमार , सूर्य प्रताप सिंह आदि आयुष चिकित्सको एवं सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0
C 20171700876
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

हरिशंकर
बनाम
बीरबल आदि

1. बीरबल पुत्र भगवानदीन साकिन भेलमापुर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. दिलीप पुत्र हरीराम 3/1 सूरज पुत्र रामजस 4/1 पुष्पा देवी पत्नी लक्ष्मिन 5/1 श्यामपती पत्नी स्व0 मोतीलाल 5/2 लाल बहादुर 5/3 रामभरोस पुत्रगण स्व0 मोतीलाल 6/1 काशीराम पुत्र सुखई 7. बृजलाल पुत्र सुखई 8. राम प्रसाद पुत्र बीपत 9/1 सुदामा पत्नी जग प्रसाद 9/2 प्रदीप 9/3 भीमसेन 9/4 अमरसेन पुत्रगण जग प्रसाद 9/5 अनीता 9/6 वनीता पुत्रीगण जग प्रसाद 10/1 अमरनाथ 10/2 स्वामीनाथ 10/3 राजेन्द्र 10/4 सत्यदेव 10/5 सुर्वणलाल पुत्रगण हरी प्रसाद 11/1 कृष्ण मुरारी 11/2 अनिल 11/3 सुमित्रानन्द पुत्रगण राम प्रताप 11/4 उमानाथ पुत्र केसरीनन्दन समस्त निवासीगण नान्देकुआ तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 13–02–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 13 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 12 माह 01 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

कार्यालय ग्राम पंचायत लगुनही विकास खण्ड बनकटी -बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूडेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 17.01.2024 से 25.01.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 25.01.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–गीता
ग्राम पंचायत- लगुनही
विकास खण्ड बनकटी, बस्ती

सचिव/ग्रा.प्र.अ.–रंजीत चौधरी
ग्राम पंचायत- लगुनही
विकास खण्ड बनकटी, बस्ती

पत्रांक मेमो /16.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

पीएम मोदी नहीं श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्र होंगे प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य यजमान

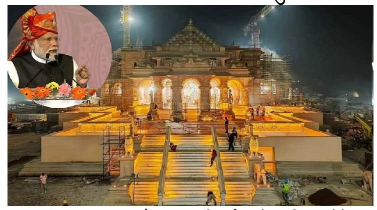

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मुख्य यजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं बल्कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र होंगे। यजमान के रूप में उन्होंने मंगलवार को प्रायश्चित पूजन में हिस्सा लिया। अब वे सात दिनों तक यजमान की ही भूमिका में रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा कराने वाले कर्मकांडी ब्राह्मणों और मुहूर्तकारों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपालदास, संघ प्रमुख मोहन भागवत और डॉ. अनिल मिश्र अपनी पत्नी के साथ मुख्य आयोजन के समय 22 जनवरी को गर्भगृह में उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी गर्भगृह में अपने हाथ से कुशा और श्लाका खींचेंगे। उसके बाद रामलला के प्राण प्रतिष्ठित हो जाएंगे। उस दिन वह भोग अर्पित करेंगे और आरती भी करेंगे। मंगलवार को प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या के विवेक सृष्टि आश्रम में अनुष्ठान प्रारंभ हो गया। काशी के पंडितों ने सरयू में स्नान करने के बाद अनुष्ठान का शुभारंभ किया।कार्यक्रम के मुख्य यजमान डॉ. अनिल मिश्रा और प्रतिमा बनाने वाले अरुण योगीराज भी वहां मौजूद हैं। आज प्रायश्चित और कर्म कुटी पूजन किया जाएगा। अनुष्ठान 21 जनवरी तक चलेगा। रामलला की प्रतिमा 18 जनवरी को गर्भगृह में निर्धारित आसन पर स्थापित कर दी जाएगी। पिछले 70 वर्षों से पूजित वर्तमान प्रतिमा को भी नए मंदिर के गर्भगृह में ही रखा जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में दिन के 12रू20 बजे प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य अनुष्ठान आरंभ होगा। यह पूजा करीब 40 मिनट तक चलेगी।

उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि0,

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

पत्रॉकः 100/वि0पा0मं0(ब0)/ई– निविदा सं0 20/2023–24
दिनॉकः16–01–2024

ई–निविदा सं0 20/वि0पा0मं0 (ब0)/2023–24 विद्युत पारेषण खण्ड–द्वितीय, बस्ती मुख्यालय–सिद्धार्थनगर के अर्न्तगत विभिन्न उपकेन्दों पर स्थापित परिवर्तकों की न्यूट्रल अर्थिंग को उपकेन्द्र के अर्थमैट से जोडे जाने के सम्बन्ध में। उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित निविदा प्रपत्र शुल्क एवं धरोहर धनराशि तथा निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की तिथि व समय ई–निविदा के वेबसाईट पर डाला जायेगा। ई–निविदा प्रपत्र शुल्क एवं धरोहर धनराशि आर0टी0जी0एस0 के माध्यम स UPSEB Electricity Trans. Division Basti के खाता सं0 0587002100008030 पंजाब नेशनल बैंक, गांधीनगर, बस्ती के खाते में जमा करना होगा।

"राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें"

अधीक्षण अभियन्ता,
विद्युत पारेषण मण्डल, बस्ती।
दिनांकः– 16/01/2024

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 09/2023

श्रीमती समीउन्निशा
बनाम
हुस्नआरा आदि

1/1 कामरान 1/2 मो0 रेहान पुत्रगण शाकिर अली 1/3 फैजान इलाही नावालिग पुत्र शाकिर अली संरक्षक शाकिर अली पिता स्वयं 1/4 कु0 जरूस्सवा पुत्री शाकिर अली 1/5 शाकिर अली पुत्र किताबुल्लाह साकिनान मौजा बाघनगर तप्पा उजियार परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर 2. शाबिर अली पुत्र किताबुल्लाह साकिन मौजा बाघनगर तप्पा उजियार परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 08–02–2024

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 08 माह 02 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

राम मंदिर ही हमारा राष्ट्र मंदिर है –अरुण गोविल

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या के सिविल लाइन स्थित एक होटल में सोमवार को रामायण सीरियल के पात्र अरुण गोविल, दीपिका चिखलिया और सुनील लहरी ने 22 जनवरी को रिलीज होने वाले अपने म्यूजिक वीडियो को लेकर प्रेस वार्ता की। इस दौरान अरुण गोविल ने कहा कि अयोध्या धाम के साथ ही पूरा विश्व राममय हो गया है। उन्होंने कहा कि मंदिर बनना तय था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर हमारा राष्ट्र मंदिर है। वहीं, दीपिका चिखलिया ने कहा कि श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर बार–बार अयोध्या आना बड़े हर्ष और सौभाग्य का विषय है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 56/2021

सन्तराम
बनाम
संदीप जायसवाल

1. संदीप जायसवाल उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र शिव कुमार जायसवाल साकिन रूधौलीकला वार्ड नं0–12 तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती 2. मजनू उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र दशरथ साकिन रूधौली कला टोला रूद्रनगर तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–03–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 16 माह 01 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

देश में पहली बार अयोध्या की सरयू में चलेगी सोलर बोट

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या को मॉडल सोलर सिटी के रूप में परिवर्तित करने के योगी सरकार के प्रयास के तहत यहां देश में पहली बार सोलर पावर इनेबल्ड ई–बोट को सरयू में उतारा गया है। अधिकृत सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) ने अयोध्या की सरयू नदी में इस बोट सर्विस के नियमित संचालन की रूपरेखा तैयार कर ली है। इस बोट को सरयू घाट के किनारे असेंबल किया गया है तथा देश के विभिन्न कोनों से इसके कल–पुर्जे व अन्य साजो–सामान मंगाए गए हैं। फिलहाल, एक बोट को कंप्लीट कर लिया गया है तथा इसके टेस्टिंग फेज की प्रक्रिया जारी है। माना जा रहा है कि 22 जनवरी को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में होने वाले प्राण–प्रतष्ठिा कार्यक्रम के पूर्व सीएम योगी द्वारा इसका उद्घाटन किया जाएगा। आने वाले दिनों में ऐसी अन्य बोटों के नियमित संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने बताया कि यह सोलर पावर इवेबल्ड बोट क्लीन एनर्जी के जरिए संचालन की परिकल्पना के आधार पर कार्य करती है। यह ड्यूअल मोड ऑपरेटिंग बोट है जो 100 प्रतिशत सोलर इलेक्ट्रिक पावर बेस पर काम करती है। इसे सोलर एनर्जी से चार्ज करने के साथ ही इलेक्ट्रिक एनर्जी के जरिए भी ऑपरेट किया जा सकता है। सबसे खास बात यह है कि यह बोट कैटामरैन केटेगरी की है जिसके अंतर्गत दो हल स्ट्रक्चर्स को जोड़कर एक बोट स्ट्रक्चर में कन्वर्ट किया जा सकता है। यह बोट फाइबरग्लास बॉडी युक्त है जोकि लाइट वेट व हेवी ऑपरेशन ड्यूरेबल मटीरिल से बनी है। साथ ही, बोट के संचालन के दौरान किसी प्रकार के ध्वनि या पर्यावरणीय प्रदूषण नहीं होता है। इस बोट में एक बार में 30 लोग यात्रा कर सकेंगे तथा यह सरयू नदी में नया घाट से संचालित होगी। इस बोट टूर का ट्रैवलिंग ड्यूरेशन एक घंटे से लेकर 45 मिनट के आसपास रखा जाएगा जिसमें सरयू नदी के किनारे स्थित विभिन्नि ऐतिहासिक मंदिरों व धरोहरों का दर्शन यात्री कर सकेंगे। हालांकि, बोट की ऑपरेटिंग कैपेसिटी इससे कहीं ज्यादा है और पूरी तरह चार्ज होने पर 5 से 6 घंटे तक के प्रोपल्शन टाइमफ्रेम को मैनेज किया जा सकता है। इस बोट को पुणे की सनी बोट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से असेंबल किया गया है जबकि चेन्नई की रा सोर्स प्राइवेट लिमिटेड इसमें सोलर व प्रोपल्शन पार्टनर की भूमिका निभा रहा है।

यह सोलर पावर इवेबल्ड बोट क्लीन एनर्जी के जरिए संचालन की परिकल्पना के आधार पर कार्य करती है। यह ड्यूअल मोड ऑपरेटिंग बोट है जो 100 प्रतिशत सोलर इलेक्ट्रिक पावर बेस पर काम करती है। इसे सोलर एनर्जी से चार्ज करने के साथ ही इलेक्ट्रिक एनर्जी के जरिए भी ऑपरेट किया जा सकता है। सबसे खास बात यह है कि यह बोट कैटामरैन केटेगरी की है जिसके अंतर्गत दो हल स्ट्रक्चर्स को जोड़कर एक बोट स्ट्रक्चर में कन्वर्ट किया जा सकता है। यह बोट फाइबरग्लास बॉडी युक्त है जोकि लाइट वेट व हेवी ऑपरेशन ड्यूरेबल मटीरिल से बनी है। साथ ही, बोट के संचालन के दौरान किसी प्रकार के ध्वनि या पर्यावरणीय प्रदूषण नहीं होता है। इस बोट में एक बार में 30 लोग यात्रा कर सकेंगे तथा यह सरयू नदी में नया घाट से संचालित होगी। इस बोट टूर का ट्रैवलिंग ड्यूरेशन एक घंटे से लेकर 45 मिनट के आसपास रखा जाएगा जिसमें सरयू नदी के किनारे स्थित विभिन्न ऐतिहासिक मंदिरों व धरोहरों का दर्शन यात्री कर सकेंगे। हालांकि, बोट की ऑपरेटिंग कैपेसिटी इससे कहीं ज्यादा है और पूरी तरह चार्ज होने पर 5 से 6 घंटे तक के प्रोपल्शन टाइमफ्रेम को मैनेज किया जा सकता है। इस बोट को पुणे की सनी बोट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से असेंबल किया गया है जबकि चेन्नई की रा सोर्स प्राइवेट लिमिटेड इसमें सोलर व प्रोपल्शन पार्टनर की भूमिका निभा रहा है। यूपीनेडा के प्रोजेक्ट मैनेजर प्रवीण नाथ पाण्डेय ने बताया कि यह बोट 12 किलोवॉट इलेक्ट्रिक आउटबोर्ड ट्विन मोटर आधारित है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0 251/2019
C 21917000000251/2019
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती अकामिल जहॉ
बनाम
दीपेन्द्र सिंह आदि

1. दीपेन्द्र सिंह पुत्र राजा निहाल सिंह निवासी ग्राम पहाड़गढ़ पोस्ट पहाड़गढ़ जिला–मुरैना हाल मुकाम दोहनी (पैलेस शोहरतगढ़ तप्पा बरहो परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 15–02–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 15 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 16 माह 01 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 415/2022

योगेन्द्र कुमार आदि
बनाम
श्रीमती शारदा देवी

1. श्रीमती शारदा देवी पत्नी फूलचन्द्र मौजा दलेलगंज तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 05–03–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 05 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 16 माह 01 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0 C 201817000000501
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

उपेन्द्र कुमार आदि
बनाम
श्रीराम

1. कलावती 2. जगदम्बा 3. मन्जू 4. विद्या पुत्रीगण श्रीराम ग्राम डिडौहा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–02–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 03/2023

पट्टू
बनाम
श्रीमती उर्मिला

1. श्रीमती उर्मिला उम्र करीब 29 साल पत्नी पट्टू ग्राम निदुरी खम्हौवा हाल मुकाम मौजा मनौवा पोस्ट पाऊ तप्पा कनैला परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–01–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0 951/2023
धारा 11 (1) सी0एच0एक्ट0
अदालत–श्रीमान एस0ओ0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

विजय शंकर
बनाम
रामतीरथ

रामतीरथ पुत्र गयाराम ग्राम जगदीशपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–02–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 15 माह 01 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com